Activity ID: 1903203021

B. A. 6th Semester (Programme) Examination, October 2020

Subject: Sanskrit

Course Code: APSNS 601DSE-1B **Course ID: 60918**

Course Title: Kāvya & Philosophy

Full Marks: 16 **Time: 1 Hour**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. **अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचिद् एकस्योत्तरं प्रदेयम्।** 10X1=10

(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন একটি প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে।)

a) स्वप्नवासवदत्तनाटके ब्रह्मचारी कः ? अस्मिन् नाटके ब्रह्मचारिवृत्तान्तस्य तात्पर्य्यम् आलोच्यताम्।
স্বপ্নবাসবদত্ত-নাটকে ব্রহ্মচারী কে ? এই নাটকে বর্তমান ব্রহ্মচারী-বৃত্তান্তের তাত্পর্য্য আলোচনা কর।

b) यौगन्धरायणः कः ? स्वप्नवासवदत्तनाटकमनुसृत्य तस्य चारित्रिकवैशिष्ट्यानि आलोचयतु।
যৌগন্ধরায়ণ কে ? স্বপ্নবাসবদত্ত-নাটকটি অনুসরণ করে তাঁর চারিত্রিক বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।

c) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वितीयाध्यायम् अनुसृत्य आत्मतत्त्वम् आलोच्यताम्।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার দ্বিতীয় অধ্যায় অনুসারে আত্মতত্ত্ব আলোচনা কর।

d) श्रीमद्भगवद्गीतामनुसृत्य स्थितप्रज्ञस्य वैशिष्ट्यानि व्याख्यायन्ताम्।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অনুসারে স্থিতপ্রজ্ঞের বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।

e) श्रीमद्भगवद्गीताम् अनुसृत्य कर्मयोगस्वरूपं वर्णनीयम्।
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা আনুসারে কর্মযোগের স্বরূপ বর্ণনা কর।

2. अधोलिखितेषु एकस्य श्लोकस्य सरलसंस्कृतेन देवनागरलिप्या च व्याख्या कार्या। **6X1=6**

(নিম্নলিখিত শ্লোকগুলির মধ্যে যে কোন একটি সরল সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরীলিপিতে ব্যাখ্যা কর।)

a. सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेत् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्॥

b. प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।
भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता॥

c. जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि॥

d. क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

e. लोकेऽस्मिन् द्विविधा निष्ठा पुरा प्रोक्ता मयानघ।
ज्ञानयोगेन सांख्यानां कर्मयोगेन योगिनाम्॥